B.com-1 Paper- Business organisation(H/s) | सुजीत कु॰ सुमन R.N.C

स्कंध विपणि

Q.No-(5)→ शेयर बाजार (स्कंध विपणि) के प्रमुख कार्यों का वर्णन करें?

उत्तर

शेयर बाजार से आशय ऐसे सुसंगठित तथा स्थायी बाजार से है। जहाँ संयुक्त पूँजी वाली कम्पनियों के विभिन्न प्रकार के अंश - ऋणपत्रादि, जन-उपयोगी संस्थाओं तथा सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय होता है।

प्रो॰ हार्टले विदर्स के अनुसार - "शेयर या स्कंध विनिमय विपणि एक बड़े गोदाम की तरह है जहाँ पर विभिन्न प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय किया जाता है।"

प्रो॰ पायले के शब्दों में, - "प्रतिभूति विनिमय वह बाजार स्थान है जहाँ पर सूचियत प्रतिभूतियों का विनियोग अथवा सट्टे के लिए क्रय-विक्रय किया जाता है।"

आधुनिक युग में स्कंध विनिमय विपणी, उत्पादकों, व्यापारियों तथा समाज तथा देश के लिए अनेकानेक आर्थिक कार्यों का संपादन करता है। साधारणतः स्कन्ध-विनिमय - विपणि द्वारा निम्न कार्य किये जाते हैं: —

(i) प्रतिभूतियों का उचित मूल्यांकन:→ स्कंध विपणि के माध्यम से जनता के अतिरिक्त धन का विनियोजन लाभप्रद उत्पादक उपक्रमों के करने में प्रतिभूतियों के वास्तविक मूल्य का ध्यान रखा जाता है। स्कंध विपणि प्रतिभूतियों के वास्तविक मूल्यांकन में सहायता करती है क्योंकि अनेक कारणों जैसे विदेश विदेश दशायें, मांग व पूर्ति की दशायें, औद्योगिक उपक्रम की स्थिति आदि की स्कन्ध विपणि के व्यवहारों पर समुचित प्रभाव पड़ता है। स्कंध विपणि द्वारा प्रदत्त मूल्य अवस्था से यह संभव होता है कि विनियोक्ता सुदृढ़ एवं लाभदायक उपक्रमों की प्रतिभूतियों को विनियोजन करें।

(ii) अतिरिक्त बचतों को प्रवाहित करना → स्कंध - विनिमय - विपणि का एक महत्वपूर्ण कार्य समाज तथा राष्ट्र की अतिरेक बचतों को प्रोत्साहित करना है। यह समाज की अतिरेक बचतों को औद्योगिक तथा व्यापारिक कार्यों के लगाने में सहायता प्रदान करता है।

(iii) पूँजी को प्रवाहित करना→ स्कंध विपणि विनियोक्ताओं की प्रतिभूतियों के क्रय-विक्रय के लिए बाजार प्रदान करता है जहाँ किसी समय मुद्रा को प्रतिभूति के रूप में विनियोजित किया जा सकता है अथवा मुद्रा को प्रतिभूति के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है। इस प्रकार स्कंध विपणि राष्ट्र की पूँजी को प्रवाहित करता है,

(iv) व्यवहारों को सुरक्षा एवं समानता प्रदान करना → स्कंध विपणि के व्यापार निश्चित नियमों तथा प्रतिभूति अनुबंध अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अन्तर्गत होते हैं। अतः इनमें कपटपूर्ण व्यवहारों के प्रति सुरक्षा बनी रहती है।

(P.T.O)

Scanned with CamScanner

(v) विस्तृत जाँच पड़ताल → एक व्यक्ति अपने धन प्रतिभूतियों में विनियोग करने से पहले यह जानना चाहता है कि प्रतिभूतियों के सापेक्षिक गुण क्या हैं। किसी भी प्रतिभूति का सही मूल्य जारी करने वाली कम्पनी के व्यवसाय के आन्तरिक गुणों के साथ-साथ बाजार में उपलब्ध अन्य प्रकार की प्रतिभूतियों के तुलनात्मक मूल्य पर भी निर्भर करता है। इस संबंध में जाँच-पड़ताल का सुअवसर स्कंध विपणि ही प्रदान करते हैं।

(vi) मूल्यों में संतुलन बनाये रखना → स्कंध विपणि का एक महत्वपूर्ण कार्य प्रतिभूतियों के मूल्यों में संतुलन बनाये रखना है। इसका अभिप्राय यह नहीं है कि स्कंध विपणि द्वारा प्रतिभूतियों के मूल्य निश्चित किये जाते हैं। वस्तुतः प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण तो माँग और पूर्ति की शक्तियों द्वारा स्वतंत्र रूप से होता है।

(vii) सूचियन तथा प्रतिभूतियों को सुदृढ़ता प्रदान करना → स्कंध विपणि पर किसी भी अंश का क्रय-विक्रय होने से पूर्व उसका सूचियन होना परम आवश्यक होता है। सूचियन केवल उन्हीं कम्पनियों के अंशों का होता है जिनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो तथा जिनके अंश सुविधाजनक हो।

(viii) विनियोक्ताओं की सुरक्षा → महत्वपूर्ण आर्थिक संस्था होने के नाते स्कंध विपणियाँ अपनी व्यवस्था द्वारा प्रतिभूति-धारकों को अनेक प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करती हैं जैसे-अंशों का तुरंत तथा सही हस्तांतरण, नकली प्रतिभूतियों की रोकथाम इत्यादि।

(ix) सरकार को ऋण प्राप्ति में सहायक → सरकार को विकास की विभिन्न योजनाओं के लिए ऋण की आवश्यकता पड़ती है जिसके लिए सरकारी प्रतिभूतियों का निर्गमन किया जाता है। स्कंध विपणि इन प्रतिभूतियों के विक्रय के लिए सुसंगठित बाजार प्रदान करते हैं। इस प्रकार स्कंध विपणि सरकार को ऋण की प्राप्ति में सहायता पहुँचाती हैं।

(x) प्रतिभूतियों को विपणीय सुविधाएँ प्रदान करना।

(xi) अनुसूचित कम्पनियों के बारे में जानकारी देना।

(xii) परिकल्पना को प्रोत्साहित करना।

इस प्रकार शेयर बाजार या स्कंध विपणियों द्वारा कार्य किये जाते हैं। इन कार्यों का व्यापारियों, परिकल्पों, समाज तथा देश के लिए भारी महत्व है। वस्तुतः सुसंगठित स्कंध विपणियाँ किसी भी देश की आर्थिक स्थिति का मापदण्ड होती हैं।

Scanned with CamScanner